731

SA-06

June - Examination 2018

B.A. Pt. III Examination

वेद उपनिषद् तथा भारतीय दर्शन

Paper - SA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answer as per the given instructions.

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) इन्द्र सूक्त के देवता, ऋषि एवं छन्द का क्या नाम है?

(ii) शिवसंकल्प सूक्त किस वेद का कौनसा अध्याय है?

(iii) वैश्य का जन्म विराट् पुरुष के किस भाग से हुआ है?

(iv) किन्हीं दो दार्शनिक सूक्तों के नाम लिखिए?

(v) कठोपनिषद् में नचिकेता ने यम से द्वितीय वर के रूप क्या याचना की?

(vi) ''सर्वे वेदाः यत्पदमामनन्ति'' कठोपनिषद् के इस वाक्य के अनुसार यहाँ ''पद'' शब्द किस ओर इंगित करता है?

(vii) जैन दर्शन के अनुसार पंचमहाव्रतों के नाम लिखिए।

(viii) योग दर्शन के अनुसार ईश्वर का वाचक क्या है?

(ix) पुरोहित अभिधा से ऋग्वैदिक कौनसा देवता विभूषित है?

(x) प्रतीत्यसमुत्पाद किस दर्शन का सिद्धान्त है?

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघुउत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

अ) हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे, भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां, कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

ब) संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।
देवा भागं यथा पूर्वे सं जानाना उपासते।।

3) ऋग्वेद के संवाद सूक्त पर प्रकाश डालिए।

4) निम्न में से किसी एक की व्याख्या कीजिए –

अ) आशाप्रतीक्षे संगंतं सूनृतां च इष्टापूर्ते पुत्र–पशूँश्च सर्वान्।
एतद् वृङ्क्ते पुरुषास्याल्पमेधसो यस्यानश्नन्वसति ब्राह्मणो गृहे।।

ब) नायमात्मा प्रवचनेन लभ्यो न मेधया न बहुना श्रुतेन।
यमेवैष वृणुते तेन लभ्यस्तस्यैष आत्मा विवृणुते तनूं स्वाम्।।

5) कठोपनिषद् के आधार पर श्रेय एवं प्रेय मार्ग को स्पष्ट कीजिए।

6) न्याय वैशेषिक के अनुसार असत्कार्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

7) अद्वैत वेदान्त के अनुसार माया की शक्तिद्वय को को स्पष्ट कीजिए।

8) 'क्लेशकर्मविपाकाशयैरपरामृष्टः पुरुषविशेषः ईश्वरः' इस पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

9) जैन दर्शन के अनुसार सम्यक चरित्र को स्पष्ट कीजिए।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) सांख्य दर्शन के अनुसार सत्कार्यवाद का वर्णन कीजिए।

11) भारतीय दर्शन में आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उक्त सन्दर्भ में न्यायवैशेषिक मत का प्रतिपादन कीजिए।

12) भारतीय दर्शन में ईश्वर के स्वरूप को रेखांकित करते हुए वेदान्त में ईश्वर के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

13) कठोपनिषद् प्रोक्त यम नचिकेता संवाद के आधार पर आत्मतत्त्व को स्पष्ट कीजिए।